वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषिमौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376-252 150

कृषिमौसम सलाह सेवा बुलेटिन, जनपद - चमोली

दिनांक- 04 दिसम्बर, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के जनपद चमोली में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है :-

(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)					
मौसम प्राचल/दिनांक	**05-12-2018** (04 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 05 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**06-12-2018** (05 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 06 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**07-12-2018** (06 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 07 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**08-12-2018** (07 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 08 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)	**09-12-2018** (08 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे से 09 दिसम्बर सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	**0.0**	**बहुत हल्की (1 मिमी.)**	**बहुत हल्की (2 मिमी.)**	**0.0**	**0.0**
आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)	कुछ भाग में (3 ओक्टा)	कुछ भाग में (3 ओक्टा)	मुख्यतः बादल (5 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	20	20	19	18	18
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	7	7	8	7	6
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	85	85	85	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	45	40	45	40	40
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	4	6	4	6	6
वायु की दिशा	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (28 नवम्बर से 04 दिसम्बर, 2018, सुबह 08:30 तक); हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के साथ बारिश नहीं हुई|दिन का अधिकतम तापमान 12.8 से 17.1 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 3.6 से 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 95 से 100 प्रतिशत तथा अपराह्न 14:16 बजे को 61 से 74 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.9 से 4.9किमी० प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली|

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
गेहूं, जौ, मसूर, सरसों (असिंचित ऊंचाई क्षेत्र)	अंकुरण	**प्याज, लहसुन**	पौधशाला/पौध
राई, पालक, मेथी, धनिया	वानस्पतिक बढ़वार	**तोरिया**	फली बनना
फूल गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी (घाटी क्षेत्र)	पौध	**माल्टा**	परिपक्वता

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह

- 6-7 दिसम्बर को बादल छाए रहने के साथ बहुत हल्की बारिश होने की सम्भावना है| किसानों को सलाह दी जाती है कि प्याज पौध 5-6 सप्ताह या 15 सेमी. ऊंचाई की हो गई हो तो फफूंदनाशक से जड़ शोधन पश्चात उचित दूरी पर प्रत्यारोपण करें| जड़ शोधन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है|
- फसलों में सिंचाई व रसायनों का प्रयोग कुछ दिनों के लिए टाल दें|
- पछेती गेहूँ की बुवाई शीघ्र संपन्न करें| बुवाई पूर्व बीज को बाविस्टिन या थायरम @ 2-2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें|
- प्याज पौधशाला में पत्तियों में पीलापन के साथ पत्तियां मुरझा रही हो तो **(कमरतोड़ बीमारी/ Damping off disease)** 02ग्राम मेन्कोजेब +01ग्राम कार्बेन्डाजिम +01मिली0 कीटनाशक को प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पौधशाला को सींच (drenching) दें|
- माल्टा/नीबूं (खटाई) के परिपक्व फलों की तुड़ाई कर श्रेणीकृत कर अच्छे फलों का विपणन करें| बचे फलों का जूस बनायें, प्रति लीटर जूस में 1 ग्राम KMS (पोटेशियम मेटाबाई सल्फाइड) मिलाकर संरक्षित करें|
- घाटी क्षेत्रों में फूल गोभी, बंद गोभी, ब्रोकली का प्रत्यारोपण करें| रोपाई पश्चात हल्की सिंचाई करें|
- शीतोष्ण बागानों में बरसात मौसम में उगी झाड़ियों तथा जमीन पर गिरी पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें| सेब, नाशपाती आदि वृक्षों के थालों की सफाई कार्य करें| छोटे फल पौध को पाले से बचाने के लिए लकड़ी/घास-फूस का छप्पर से ढक कर रखें|
- सेब, नाशपाती, अखरोट आदि के लिए नया बगीचा स्थापित करने के लिए गड्डा खुदाई कार्य करें|
- नवजात बछड़ों को सुबह व शाम के समय ढक कर रखें| पशुचिकित्साधिकारी से परामर्श लेकर 4-6 माह के मादा बछियों को संक्रामक गर्भपात (ब्रुसिलोसिस) का टीकाकरण करवाएं जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर बनी रहती है|यह टीकाकरण नर बछियों को नहीं लगाया जाता है|
- टीकाकरण के 2 हप्ते पहले कृमिनाशक दवा (*पिप्राजिन*) की उचित मात्रा का सेवन करवाएं|
- भेड़ बकरियों को सुबह 9-10 बजे के आसपास जब घास/चारे में ओस की बूंदों का असर समाप्त हो जायें चरागाह में चुगान हेतु ले जायें|
- तापमान धीरे-धीरे कम हो रहा है अतः किसान भाई मुर्गी बाड़े के अंदर बल्ब जलाकर रखें व बिछावन को एक दिन में 2-3 बार पलटाई करें| ठण्ड से बचाव हेतु एंटीबायोटिक ओषधि दें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी